07-03-2023

महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने की जरूरतः नरेंद्र मोहन

में शुरू हुए महिला सप्ताह कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने अपने अपने विचार रखे । इस अवसर पर डॉ सीमा परोहा ने कहा कि चीनी उद्योग में महिलाओं एवं युवतियों की तेजी से बढ़ोतरी हो रही है जो कि काफी खुशी की बात है। प्रीति अवस्थी ने कहा कि महिलाओं को आप किसी बात से डरने की आवश्यकता नहीं है , वह भी पुरुषों के बराबर कार्य कर रहीँ हैं और सरकार भी महिलाओं को लक्ष्य पुरा हो पाएगा । यह बात सशक्तिकरण बनाने के लिए चला रही है इसका लाभ उन्हें



एन एस आई के निदेशक नरेंद्र विभिन्न प्रकार की योजनाएं कानपुर । बदलते परिवेश मोहन ने कही । ज्योति महिला में महिलाओं के प्रति हमें समिति एवं खुशहाल बेटियां अवश्य लेना चाहिए । संगोष्ठी अपना नजरिया बदलना होगा खुशहाल समाज के संयुक्त का संचालन महेंद्र कुमार तभी महिला संशक्तिकरण का तत्वाधान में एनएसआई प्रांगण यादव ने किया ।

नगराज दर्पण समाचार

महिला संशक्तिकरण के लिए और अधिक प्रयास जरूरी

महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रतीक चिन्ह देकर किया गया सम्मानित

कानपुर, 6 मार्च। महिला सप्ताह का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में लिंग समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी पर विचार-मंथन सत का आयोजन किया गया। एनएसआई की ओर से अन्य संगठन ज्योति महिला समित और खुशहाल बेटियां खुशहाल समाज समिति के साथ संयुक्त रूप से किया गया।

संस्थान की डा. सीमा परोहा ने चीनी उद्योग में महिलाओं एवं लडकियों की बेहतर भागीदारी के लिए किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। समिति की जोनल अध्यक्ष श्रीमती रविंदर अरोड़ा ने महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहाकि लिंग आधारित हिंसा, आर्थिक अपराध भेदभाव और बाल विवाह जैसी हानिकारक पारंपरिक प्रथाओं के माध्यम से महिलाओं और लडकियों के खिलाफ भेदभाव को खत्म करने की जरूरत है। संस्थापक श्रीमती प्रीति अवस्थी ने कहाकि घर में कार्यस्थल पर और व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समदायों में महिलाओं और परुषों के बीच साझा शक्ति



महिला को सम्मानित करते निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन

और जिम्मेदारी का सिद्धांत स्थापित किया जाना चाहिये। ज्योति महिला समिति, अध्यक्ष श्रीमती अनीता अग्रवाल ने युवा पीढ़ी को अपने विचारों के बारे में जागरुक होने का आह्वान किया जिसका उददेश्य आत्मनिर्भर होना है और जिसके लिए आवश्यक शिक्षा एवं योग्यता प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। दुनिया के दस गरीब लोगों में से छह महिलाएं है और दनिया के निरक्षर वयस्कों में लगभग दो-तिहाई महिलाएं है। महिलाओं के आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए सभी प्रयास करने की आवश्यकता है। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहांकि महिलाओं के जीवन स्तर में संधार के लिए समाज का महिलाएं के प्रति बेहतर नजरिए, शिक्षा और कौशल विकास जरूरी है। संस्थान ने विभिन्न महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया जिन्होंने महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को ऊपर उठाने के लिए अनुकरणीय कार्य किया है।

महिला सप्ताह का हुआ शुभारंभ

नेत दिया प्रदेश कर कि हैले अवदर्शन सिंह आधिक नेतन्त्र और बहर किन्द्र जीवे इतिस्टास दि ग्राम दुहे, कानपुर। (भारा यांडे) अपको बत दे कि 6-10 जर्म पार्थल प्रतान प्रवासे के प्रत्यन से पहिलाने और तहीवत्तों के हिइन्छ भेट्यान 2023 तक अन्त्रेविंगा -म्वील्ड स्वाह का सुधारम्य काते हुए, रक्षीप कर्बना

चेरचा भागवन, जननपुर में - जिन सम्यानत के भागमा, सारपु 4 नाल भारत का भारत का स्वात करने का तरा है। गात तित्र राज्य के दियोंकों पर निया भागे की दियोंकों पर निया भागे का सार्वे के सार्वे के सार्वे के सार्वे के प्रात्र निया भागे का सार्वे के सार्वे के प्रात्र कि प्रात्र का प्रात् का सार्वे प्रायत की प्रात्र के सार्वे के सार्वे के सार्वे अस्त्री स्वील की सार्वे के सार्वे के सार्वे के सार्वे के सार्वे के सार्वे अस्त्री स्वील की सीर्व के सार्वे अस्त्री स्वील की सार्वे के सार्व के सार्वे के सार्वे के सार्वे के सार्वे के सार्वे के सार्वे के सार्व के सार के सार्व के सार के सार्व के सार्व के सार्व के सार्व के सार्व के सार्व के सार के सार्व के सार्व के सार्व के सार्व के सार्व के सार्व के सार के सार्व का सार्व के सार्व के सार्व कार साथ पहुंच भा से अंधर गया था के उन्हें खाता किस्त अन्ता सीहल के लिए सम कर की रुपता के से अन्तार आपना, - अर्थन सीहल मुख्य के लिए सम कर की है। सीहल के लिए सम कर की है। सीहल के निर क्षेत्र कर से के अपने के सीहल की साथ साथक की राज्य के साथक से किस किसक सेवन का प्रथम में साथक हर पीचे ज्योग में निर्भात्म है और सिलक लिए तिताओं अवस्थित के स्वाप्त प्रति । अवस्थक जिस एवं वेषका प्राप्त एवं तार्वकचे को बेहाल प्राप्तिही काल प्राप्तपूर्ण है। जिह किने खारे प्रवानों प्राप्तकाता जान को देखी हुए कि दुनिया के लिए किने 18 रहे प्रकारों के प्रकार

ग्रानः -गुज्यान बेरिच गुज्यान के एव सबये गीव लोगे में से उद

tion all

को रहाय करने की जरूरत है। ज्येति

प्राता - प्राहात संपत्न प्राहात संपत्न प्राहात स्वरण संगत कि को में 1 दर समय संपत्ति को फेलर अप्रस बीचन संगति को फेलर अप्रस बीचन में सिंहर अप्रेह 3 अने संबेधन में से लायन के किन्ना में सर्वित की सीचना है, से के लिए सप्रत के महिल्लाओं के कोन और सहावियों की किस्त स्वरी प्रा स्वरी के लाइकियों के साम के सिंहन के सीचना है, से स्वर संगत का स्वरी के साम करते है। प्राप्त के कोन और सहाव की किस करते प्रा

भेदभाव करना महिलाओं के उत्थान में सबसे बड़ा रोड़ा

बारे में जागरूक किया जा रहा है। क्योंकि समाज से पहले घर में महिलाओं के साथ हो रहे भेदभाव को खत्म करना है।

राष्टीय शर्करा संस्थान में सोमवार से महिला सप्ताह का आयोजन किया गया। इसका विषय लिंग समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी रहा। कार्यक्रम का आयोजन 10 मार्च तक चलेगा।

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महिलाओं के उत्थान में भेदभाव बड़ा रोडा है। घर से ही महिलाओं के साथ दोतरफा व्यवहार किया जाता है जिसका असर परे जीवन पर पड़ता है। योग्य होने के बावजद महिलाओं की प्रतिभा दब जाती है। यह बात राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कही। अनीता अग्रवाल ने कहा कि युवा पीढी को अपने अधिकारों के



एनएसआई में महिला दिवस पर महिलाओं को सम्मानित करते निदेशक नरेंद्र मोहन।

Emphasis on empowering women, girls

PIONEER NEWS SERVICE

The National Sugar Institute (NSI) l organised a brainstorming session to Women's Week titled celebrate 'Innovation and technology for gender equality' which is the theme for this year. The programme was organised jointly with other organisations, Jyoti Mahila Samiti and Khushhal Betiyan, Khushhal Samaaj Samiti who were working for improving the quality of life of women. Zonal president, Khushhal Betiyan, Khushhal Samaaj Samiti, Ravinder Arora, stressed on empowering women and girls. She said disthrough gender-based violence, economic discrimination and harmful traditional practices, such as child marriage, needs to be eradicated. She said the principle of shared power and responsibility should be established between women and men at home, in the workplace and in the wider national and international communities, said Preeti Awasthi, founder, Jvoti Mahila Samiti. President, Jvoti Mahila Samiti, Anita Agrawal, called upon the younger generation to be aware of their rights, aim at being self-dependent and for which they need to acquire required qualification

crimination against women and girls which held the key to their progress. She said given the fact that six out of 10 of the world's poorest people are women and about two-thirds of the world's illiterate adults are women, thus there was a need for making all-out efforts for economic, educational and political empowerment of women, added NSI Director Narendra Mohan. He said better education and skill development was necessary for improving the status of women for improving their quality of life. Later the NSI also felicitated various women social workers who had carried out exemplary work for the uplift of the status of women and girls.

'Women's Week' bserved at NS

Kanpur: As a part of activities undertaken to celebrate 'Women's Week', a brainstorming session was organized at National Sugar Institute, Kanpur on 'Innovation & Technology for Gender Equality'. The programme was organized jointly with other organizations, 'Jyoti Mahila Samiti' and 'Khushhal Betivan, Khushhal Samaaj Samiti' who are working for improving the quality of life of women.

Zonal President, 'Khushhal Betiyan, Khushhal Samaaj Samiti', Ravinder Arora, in her address stressed upon the need for empowering women and girls. Gender based violence, economic discrimination and harmful traditional practices, such as child marriage, need to be eradicated, she said. The principle of

shared power and responsibility should be established between women and men at home, in the workplace and in national and international communities, said Founder, Jyoti Mahila Samiti, Preeti Awasthi.

Anita Agrawal, Presi-dent, Jyoti Mahila Samiti, called upon the younger generation to be aware of their rights, aim at being self dependent. "There is need for making all out efforts for economic, educational and political empowerment of the women", said Director, National Sugar Institute, Kanpur, Professor Narendra Agarwal. Institute also felicitated various women social workers who have carried out exemplary work for uplifting the status of women and girls. TNN